

**BECOMING A KNITTED SOUL:**  
When God Calls Us "Friend"

---

---

---

---

---

---

---

---

**Part One:  
The Friendship of Peter  
& Jesus**

○ John 15: 14-15

---

---

---

---

---

---

---

---

**1. A close friend really sees  
who the other person is.**

○ John 1:40-42  
○ Matt. 16:17-19  
○ Luke 5:8

---

---

---

---

---

---

---

---

**2. Close friends do life together.**

- ◉ John 21:5
- ◉ John 21:7

---

---

---

---

---

---

---

---

**3. Close friends spend time in conversation.  
Lots of it.**

- ◉ John 13:37
- ◉ John 13:8
- ◉ Matt. 16:22
- ◉ Luke 5:5

---

---

---

---

---

---

---

---

**4. Deep friendships are characterized by commitment & loyalty.**

- ◉ John 13:37
- ◉ Matt. 26:33
- ◉ Matt. 26:35
- ◉ John 6:66-69

---

---

---

---

---

---

---

---

**5. Close friends  
serve one another.**

○ John 13:15-16

---

---

---

---

---

---

---

---

**6. Close friends  
pray for each other.**

○ Matt. 26:40-41

○ Luke 22: 31-32

---

---

---

---

---

---

---

---

**7. Close friends possess a  
love that makes reconciliation  
not just possible, but  
necessary.**

○ Luke 24:30

○ 1 Cor. 15: 4-5

---

---

---

---

---

---

---

---

8. Close friends are connected in oneness through the Holy Spirit.

○ 1 Sam. 18:1

---

---

---

---

---

---

---

---

*WELCOME*  
*to*  
*JAVA CHA*

---

---

---

---

---

---

---

---

*Part Two:*  
*Examining*  
*Your Closest*  
*Friendship*

---

---

---

---

---

---

---

---

*Ok...  
get ready...  
here we go*

---

---

---

---

---

---

---

---

**Part Three:  
When Jesus is your Friend**

○ John 13:21	Mark 6:6
○ John 1:50	1 Tim. 2:5
○ 1 Tim. 3:16	Col. 2:9
○ John 8:40	Acts 2:22
○ Rom. 5:15	Heb. 13:8
○ Rev. 1:13	Phil. 3:21

---

---

---

---

---

---

---

---

*Have I had  
an intimate  
encounter  
with Jesus?*

---

---

---

---

---

---

---

---

**John 15: 14-15**

⦿ *You are my friends, if you do what I command. I no longer call you servants, because a servant does not know his master's business. Instead, I have called you friends, for everything that I learned from my Father I have made known to you.*

---

---

---

---

---

---

---